

फ

फ पुं. (तत्.) देवनागरी वर्णमाला में बाइसवाँ और प वर्ग का दूसरा व्यंजन, यह द्वयोष्ठ्य, स्पर्श, अघोष और महाप्राण ध्वनि वाला है।

फंका पुं. (देश.) चूर्ण फांक, टुकड़ा, फंकी, कतरा, आदि की एक बार में फाँकने की मात्रा, फूँकने की क्रिया या भाव।

फंकी स्त्री. (देश.) दे. फंका।

फंतासी स्त्री. (अं.) कल्पना, मानसिक उड़ान, कल्पना शक्ति, स्वप्नों के संसार में खो जाना या बने रहना, अपनी मौज में रहना, अपनी ही तरंग में बने रहना साहि. कल्पना प्रमुख साहित्य।

फंद पुं. (तद्.) 1. फंदा, जाल, फाँस, कपट, धोखा, रहस्य, मर्म, दुख, कष्ट 2. बंधन, नथ की काँटी फँसाने का फंदा 3. गूँज।

फंदा पुं. (तद्.) 1. सरकने वाली या सरकीली गाँठ वाली रस्सी आदि का घेरा जिसमें किसी वस्तु/प्राणी को फाँसने पर वह बँध जाता है, फाँस, पाश, रस्सियों आदि में बुना गया जाल, पशु-पक्षियों को फँसाने का जाल, कष्टदायक बंधन, ऊनी स्वेटर आदि में या क्रोशिए के काम में, सलाई की एक बार की बुनाई 2. किसी को फँसाने के उद्देश्य से किया गया कपटपूर्ण कार्य, कपटपूर्ण योजना, कपट, धोखा, जालसाजी 3. कुछ खाते या पीते समय श्वासनली में उस वस्तु का कुछ अंश चले जाने पर होने वाला कष्ट, ओछा पड़ना।

फंसिहारा वि. (देश.) 1. फँसाने वाला, ठग 2. फाँसी देने या लगाने वाला।

फँदना अ.क्रि. (देश.) फंदे में फँसना, बाँधना या बंद करना, किसी के धोखे में आना, मुग्ध होना स.क्रि. फाँदना, उछलकर किसी चीज को लाँघते हुए उसके उस पार जाना, लाँघना।

फँदवार वि. (देश.) जाल में फाँसने वाला, जाल बिछाने वाला, फंदा लगाने वाला, फंदे में फँसाने वाला।

फँदाई स्त्री. (देश.) दे. फंदा।

फँदाना स.क्रि. (देश.) 1. फंदे में लाना, जाल में फँसाना 2. फाँदने का काम दूसरे से कराना, किसी को फाँदने के लिए उकसाना, कूदना।

फँदी स्त्री. (देश.) 1. फुंदना, फूँद 2. फंदा 3. ग्रंथि 4. कमर में लपेटी धोती आदि की गाँठ 5. झब्ब-तारा अथवा सूत रेशम आदि का गुच्छा या फुंदना जो वस्त्रों अथवा आभूषणों में शोभा बढ़ाने के लिए लगाए जाते हैं।

फँफाना अ.क्रि. (देश.) हकलाना, उच्चारण के समय जिह्वा का काँपना, दूध, दाल आदि का ऊपर उठना।

फँसाना अ.क्रि. (देश.) किसी के धोखे में आना, जालसाजी का शिकार, वश में होना।

फ पुं. (तत्.) 1. कटु वाक्य, रूखा वचन, फुक्कार, फुफकार, झंझावात निष्फल भाषण 2. जँभाई, निष्फलता 3. वृद्धि, विस्तार।

फक वि. (तत्.) 1. स्तब्ध हो जाना, बहुत अधिक घबरा जाना, फीका, विवर्ण 2. स्वच्छ, सफेद, शुभ जिसका रंग बिगड़ा हो 3. बदरंग, स्तंभित।

फकड़ी स्त्री. (देश.) दुर्गति, दुर्दशा, फजीहत।

फकत वि. (फा.) 1. बस, पर्याप्त, अलम 2. केवल, सिर्फ, अकेला, एकमात्र।

फकफकाना स.क्रि. (देश.) फक-फक ध्वनि करना या ऐसी ध्वनि सहित होने वाला कोई कार्य।

फकरना अ.क्रि. (देश.) चिल्ला-चिल्लाकर, अप्रिय ध्वनि करना।

फकार पुं. (अर.) 'फ' वर्ण या 'फ' की ध्वनि, फिक्र का बहुवचन, पीठ के गुरिए।

फक्कड़ वि. (देश.) 1. फाका करने वाला, निर्धन होने से प्रायः भूखा रहने वाला परंतु फिर भी प्रसन्नचित्त और मस्त रहने वाला, अकिंचन होते हुए भी निश्चिंत रहने वाला, लापरवाही से खर्च करने वाला, उच्छृंखल 2. स्पष्टवादी, मुँहफट, गाली-गलौच, गंदी बातें, दुर्वचन।